Regarding problems faced by farmers in Border Areas

श्री शेर सिंह घुबाया (फिरोज़पुर) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस सदन में सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले छोटे किसानों की समस्याओं को उठाने का मौका दिया है । सीमावर्ती क्षेत्रों में कंटीले तार के पार जिनकी जमीनें हैं, वे छोटे किसान हैं । उनको बहुत सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है । जब बाढ़ आती है, तो उनकी जमीनें खुर्द-बुर्द हो जाती हैं । दूसरा, पाकिस्तान की ओर से जंगलों से जो आवारा पशु आते हैं, वे उनकी पूरी फसलों को तबाह कर देते हैं ।

इससे पहले केन्द्र सरकार की ओर से 10,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाता था । पिछले तीन सालों से वह मुआवजा बंद पड़ा है, उसको नहीं दिया जा रहा है । 10,000 रुपये से किसानों का कुछ भला नहीं होगा । मेरी सरकार से मांग है कि वह किसानों को कम से कम प्रति वर्ष 30,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दे, ताकि उन किसानों की जिंदगी अच्छी तरह से बसर हो सके । सरकार से मेरी यही मांग है । तीन साल के बकाया पैसे नहीं दिए हैं, 30,000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से वे पैसे उन किसानों को दिए जाएं ।